



मिशन शिक्षण संवाद का मासिक बाल साहित्य संकलन



बाल साहित्य सृजन

माह : सितम्बर

वर्ष : 2026



संकलन : मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

बाल साहित्य सृजन

1

त्योहार

भारत की संस्कृति में त्योहार,
धूम-धाम से मनाए जाते।
सभी घरों में त्योहारों पर,
खूब पकवान बनाए जाते॥



होली, दीवाली, रक्षाबंधन,
सभी मनाते मिलकर ईद।
सभी प्रकार के त्योहारों पर,
विविध-धर्म, मान्यताएँ विविध॥

रचना-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट



2

श्री कृष्ण जन्मोत्सव

भार्दों कृष्ण-पक्ष अष्टमी,
श्री कृष्ण अवतार लिया।
कंस के रखवाले सब सोए,
मात-पिता दिव्य दर्शन किया॥



देवकी की आठवीं सन्तान,
वसुदेव ने गोकुल पहुँचायी।
नन्द-यशोदा ने कृष्ण पाले,
कृष्ण-लीला सभी के मन भायी॥

रचना-

नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा



3

नन्दोत्सव

कृष्ण जन्माष्टमी के दूसरे दिन,
नन्दोत्सव में बधाई देते।
आनन्द और हर्षोल्लास से,
बधाई में बखेर करते॥



कोरी-कोरी मटकियों में,
छाछ-दही, मक्खन सजता।
माखन-मिश्री, मिठाई का,
श्री कृष्ण का भोग लगता॥

रचना-

उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा



4

छठी पूजन

बृज में आज बधाई बाजे,
छठी का त्योहार साजे।
यशोदा ने सोने की थाली मँगायी
विधि-विधान से पूजा करायी॥



हीरा-मोती पालना सजाया,
कान्हा को झूला झुलाया।
नन्दबाबा ने बृजवासी बुलाए,
माखन-मिश्री भोग लगाए॥

रचना-

प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज



1

होली

रंगों का त्योहार है प्यारा,
लगता हम सबको न्यारा।
प्रेम के रंगों में सब रंग जाते,
हर्षोल्लास से होली त्योहार मनाते॥

गुझिया, पापड़ और व्यंजन बनते,
सभी बड़े चाव से संग खूब खाते।
मिलजुल यह प्यारा त्योहार बनाते,
प्रेम के रंगों में सब खूब डूब जाते॥

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनरूवा
अमौली फतेहपुर



2

रक्षाबंधन

रक्षाबंधन का त्योहार,
श्रावण मास में आता।
भाई बहन के पवित्र रिश्ता का,
खूब संदेश है देता॥

बहन भाई को रक्षा सूत्र बांधती,
भाई रक्षा के लिए मंगल कामना करती।
भाई, बहन को उपहार देता,
स्नेह भरी दुआएं देता॥

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ



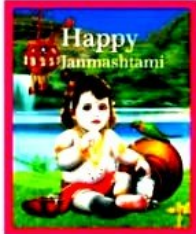
3

जन्माष्टमी

जन्माष्टमी का त्योहार आया,
संग अपने खुशियां लाया।
कान्हा जी का जन्मदिन मनाते,
छप्पन भोग उन्हें लगाते॥

माखन चोर कहलाते,
नटखट नन्दलाल भी कहते।
मधुर बंसी जब बजाते,
सब उसकी धुन में खो जाते॥

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात



4

दीपावली

जगमग करते दीप घरों में,
फैलाएं रौशनी खुशियों से।
सब पर बनी रहे प्रभू कृपा,
ना करें प्राणी किसी से घृणा॥

फूल, रंगोली घर आंगन सजे,
गीत, ढोल हर ओर से बजे।
पटाखे, फुलझड़ी, चकरी घूमें,
छोटा बड़ा इस दिन खुशी से डूमे॥

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत



आपका दिन
शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

03/09/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

ओणम

केरल का मुख्य त्योहार होता,
ओणम दस दिन तक चलता।
सम्पन्नता, सद्भावना, संस्कृति के,
समावेश का रंग खूब है खिलता।।



राजा महाबलि अपनी प्रजा से,
हर साल हैं आकर मिलते।।
फूलों की रंगोली, नौका दौड़ और,
तरह-तरह के पकवान हैं बनते।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत



2

दशहरा आया

दशहरा आया, खुशियाँ लाया,
संग अपने त्योहार लाया।
राम ने रावण को हराकर,
सच्चाई का पाठ पढ़ाया।।



बुराई चाहे हो कितनी भारी,
अच्छाई होती है, सबसे प्यारी।
आओ मिलकर प्रण लें हम,
झूठ-बुराई को दूर करें हम।।

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर



3

होली

होली रंगों का त्योहार,
आता ले खुशियाँ हर बार।
गुजियाँ और पकवान बन रहे,
खेलें सभी फाग की मार।।



एक-दूजे को रंग लगाते,
गले मिलें सब वैर भगाते।
रात्रि होलिका में जाकर के,
कूड़े संग दुर्भाव जलाते।।

जुगल किशोर त्रिपाठी (शिक्षिमित्र)
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी (उ०प्र०)



4

हनुमान जयंती

जय, जय हो हनुमान,
बल, बुद्धि दे निधान।
सुमरे मन में राम नाम,
पल में होते, काम तमाम।



पवन पुत्र तुम, नाम बखाना,
सेवक राम के, सब जग जाना।
वरदायक तुम, आनन्द के दाता,
रिद्धि-सिद्धि, साधक है पाता।

वन्दना यादव 'गज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक
डोभी, जौनपुर



बाल साहित्य सृजन

1

होली

रंगों का त्योहार है होली,
मान और मनुहार है होली।
जीवन को महकाती आकर
खुशियों भरा हार है होली।।



एक दूसरे को रंग लगाते हैं,
गुजिया और मिठाई बनाते हैं।
भूलकर शिकवे शिकायत सब,
मिलजुल कर मुस्कुराते हैं।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली, बागपत



2

त्योहारों की खुशियाँ

रंग बिरंगे इन त्योहारों से,
जीवन खुशहाल हो रहा।
आपसी मेल मिलाप से,
भाई चारा भी बढ़ रहा।।



मीठे मीठे पकवानों की,
मिठास जीवन में घुल रही।
एक दूसरे के सहयोग की,
भावना मन में जग रही।।

अनुप्रिया यादव (स० अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर



3

दिवाली

जगमग-जगमग दीपों से,
सज रहा हर घर द्वार।
ढेरों खुशियां लेकर आया,
दिवाली का त्योहार।।



अधर्म पर धर्म की जीत,
दिखाता यह त्योहार।
भारतीय संस्कृति में धूमधाम,
से मनाया जाता यह त्योहार।।

मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात



4

विविध त्योहार

हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई,
सबके अपने-अपने विचार है।
महान संस्कृति है भारत की,
मिलजुल कर मनाते त्योहार है।



दीपावली पर दीपक जलाते,
ईद पर गले मिल सिवईया खाते।
गुरु गोविंद सिंह को नमन करते,
यीशु के जन्म की खुशी मनाते।।

अमित गोयल (स० अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत



बाल साहित्य सृजन

1

रक्षा बंधन

राखी के धागे में बँधा,
बचपन का संसार।
भाई-बहन के प्रेम से,
महके घर-परिवार।।



बहना की आँखों में सपने,
भाई का विश्वास।
सुख-दुख में संग रहने का,
मन में मधुर एहसास।

सुषमा त्रिपाठी स०अ०
क० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर



2

ललही छठ

भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष की,
षष्ठी तिथि को होती है।
ललई छठ या हलषष्ठी,
जन्माष्टमी से पूर्व होती है।।



बलरामजी के जन्मोत्सव के,
रूप में मनाई जाती है तिथि।
संतान की दीर्घायु, आरोग्य,
सुख हेतु माताएं करती व्रत।।

रचना-सुमन पांडेय प्र.अ
प्राथमिक विद्यालय टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर



3

हरियाली तीज

श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में,
तृतीया तिथि को मानते हैं।
भगवान शिव माता पार्वती के,
अटूट मिलन का पर्व मनाते हैं।।



व्रत करती सुहागन महिलाएं,
पति की लम्बी आयु मनाती।
सोलह श्रृंगार हैं करती सब,
हरे रंग की चूड़ी, मेंहदी खूब रचाती।।

रचना - प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली फतेहपुर



4

स्वतंत्रता दिवस

अगणित वीरों ने दिए,
बलिदान अनमोल।
देश की आजादी के लिए,
बोले स्वतंत्रता के बोल।।



आजादी का मतलब है,
अपना कर्तव्य निभाना।
भ्रष्टाचार मिटाना और,
सबको समान अधिकार दिलाना।।

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात



07.09.2026

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

कृष्ण पक्ष भादों की,
अष्टमी तिथि महान।
इसी रात्रि बारह बजे,
प्रगटे श्रीकृष्ण भगवान।



घर-घर होता कीर्तन,
और बनते पकवान।
उपवास रखते हैं सभी,
बच्चे, वृद्ध, जवान।

रचना-

बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1-8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा



2

दीपावली

दीपावाली पावन त्योहार,
सभी हिन्दू मनाते हैं।
अमावस कार्तिक में हम,
दिये घर-घर जलाते हैं।



अवध में राम आए थे,
दिये घी के जलाये थे।
विजय लंका पर पायी थी,
संग में सीता माई थी।

रचना-

शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर



3

विजयदशमी

असत्य पर सत्य की,
जीत का त्योहार है।
राम द्वारा वध रावण का,
विजयदशमी का सार है।



होती है राम-लीलाएँ,
लगते हैं मेले हर साल।
बुराई का पुतला फूकें,
तिलक सत्य लगाएँ भाल।

रचना-

भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ



4

रक्षाबन्धन

रक्षाबन्धन राखी का उपहार,
हिन्दुओं का प्रसिद्ध त्योहार।
राखी से बाजार है सजते,
सभी राखी की खरीदारी करते।



भाई रक्षा की साँगन्ध उठाते,
राखी बँधवाने बहनों के घर जाते।
रंग- बिरंगी राखी बँधवाते,
सभी मिलजुल कर मिष्ठान खाते।

रचना-

सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत



1

ईद

तीस रोजों का व्रत रमजान,
होता जब उसका अवसान।
करते सब चन्दा का दीद,
आ गई सबकी प्यारी ईद॥

मिलेगा अब्बू से उपहार,
हुये हम मेले को तैयार।
नये कपड़े अब पहनेंगे,
चाँद से हम भी चमकेंगे॥

रचना-

प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज



2

मिलादुन्नबी

बड़ी धूमधाम से मुस्लिम,
इस को त्योहार मनाते है।
मिलादुन्नबी के दिन घर को,
लाइट, मोमबत्ती से सजाते है॥

हजरत मुहम्मद का जन्मदिन,
मिलादुन्नबी में मनाया जाता,
दया, प्रेम, त्याग के सन्देश को,
जन-जन तक पहुँचाया जाता॥

रचना-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट



3

हरितालिका
तीज

भादों कृष्ण-पक्ष तीज,
सुहागिनें व्रत रखतीं।
पति की दीर्घायु की कामना,
माता गौरी से चाहतीं॥

मिट्टी से शिव-परिवार,
बनाकर के पूजन करतीं।
धूप, दीप, नैवेद्य चढ़ते,
सुहाग-सामान मनसर्तीं॥

रचना-

नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा



4

नवदुर्गा

माँ दुर्गा के नौ-स्वरूप,
'नवदुर्गा' कहलाते।
शारदीय और चैत्र मास में,
माँ की विशेष पूजा करते॥

नौ दिनों तक व्रत रखकर,
माँ दुर्गा को प्रसन्न करते।
मन्त्र, हवन और जाप से,
मनोकामना पूर्ण करते॥

रचना-

उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि० -राजपुर
मथुरा, मथुरा



1

करवा चौथ

यह व्रत सुहागने रखती,
चाँद देखकर पूजन करती।
पतिदेव की लम्बी उम्र हो,
ऐसी वे प्रभु से कामना करती।।



दीपावली के पहले यह पड़ता,
पूरे विधि-विधान से मनाया जाता।
चाँद को देखकर यह पूरा होता,
भारतीय परंपरा का हिस्सा होता।।

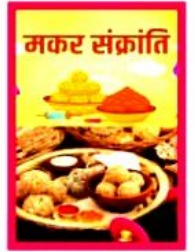
इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनरूवा
अमौली फतेहपुर



2

मकरसंक्रांति

मकर संक्रांति का त्यौहार,
पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता,
पौष मास में जिस दिन,
सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता।।



गुड़, तिल का पकवान बनता,
नई फसल आने का आगाज होता।
सूर्य की आराधना में रहते व्यस्त,
सुख समृद्धि से सभी रहे मस्त।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ



3

क्रिसमस

ईसा मसीह के जन्म की,
खुशी में यह त्योहार मनाते।
ईश्वर का पुत्र उन्हें मानते।।
बड़ा दिन भी इस दिन को कहते।।



देवदार के पेड़ को सजाते,
घर और चर्च रोशनी से जगमगाते।
सांता क्लॉज उपहार लाता,
बच्चों को खुश वह कर देता।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात



4

दशहरा

दशहरा पर्व का दूजा नाम,
विजयादशमी कहलाता है।
बड़े ही हर्षोल्लास के साथ,
यह पर्व मनाया जाता है।।



यह पर्व असत्य पर सत्य की,
जीत का प्रतीक माना जाता है।
भारत के सभी राज्यों में अपने,
अलग ढंग से मनाया जाता है।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत



आपका दिन
शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

10/09/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

रक्षाबंधन

राखी का त्योहार है आया,
सब जन का मन है हर्षाया।
भाई-बहन के प्यार का बंधन,
रक्षाबन्धन है कहलाया॥



रंग-बिरंगे धागों संग प्यार,
अक्षत रोली की है बहार॥
भाई ने बहनों की रक्षा का,
वचन उठाया है हर बार॥

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत



2

बसंत पंचमी

पीले फूलों से धरती सजी,
बसंत की सुंदर ऋतु है आई।
सरसों के खेत लहराते हैं,
पंछी मीठे गीत सुनाते हैं॥



माँ सरस्वती की पूजा करें,
ज्ञान की ज्योति मन में धरें।
पीले वस्त्र पहनकर मुस्काएँ,
सीखें, पढ़ें और आगे जाएँ॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर



3

ईद

ईद आयी, ईद आयी,
चेहरों में मुस्कान है छायी।
अनवर, राजू गले मिलेंगे,
पुष्प प्रेम के खूब खिलेंगे॥



बच्चे खुश हैं मिलेगी ईदी,
घर आए जब अंकल, दीदी।
मीठी सेवई की बात निराली,
सबने खुशी से ईद मना ली॥

ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा



4

होली

रंग, गुलाल लगाओ ऐसे,
तन-मन झूम उठे हो जैसे।
पवन पर्व, है मस्ती लाई,
गुझिया, पुआ खाओ भाई॥



प्रेम भाईचारे का पर्व है होली,
नीले, पीले, लाल रंगों की टोली,
घर-घर में हैं, सब जश्न मनाते
रंग यार, दोस्त, अजनबी को लगाते॥

वन्दना यादव 'गज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक
डोभी, जौनपुर



11/09/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

ओणम

केरल का प्रमुख त्योहार ओणम, राष्ट्रीय फसल उत्सव है ओणम। किसानों द्वारा प्रकृति को, धन्यवाद देने का उत्सव ओणम।।



फूलों से घर में रंगोली बनाते हैं, केले के पत्ते पर व्यंजन खाते हैं। नौका दौड़ और बाघ नृत्य इस, ओणम पर्व पर कराये जाते हैं।।

पूनम नैन (स० अ०)

उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर छपरौली, बागपत



2

रक्षाबंधन

भाई-बहन के अटूट प्रेम का, पावन प्रतीक है रक्षाबंधन। सुरक्षा के इस बंधन का, वचन देता है रक्षाबंधन।।



श्रावण मास की पूर्णिमा को, यह त्योहार मनाया जाता। मीठे-मीठे पकवानों का, आनन्द भी लिया जाता ।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)

क० वि० काजीखेड़ा खजुहा फतेहपुर



3

क्रिसमस

क्रिसमस का पावन त्योहार, सब धूमधाम से मनाते हैं। ठंडी के इस मौसम में, चारो ओर खुशियां फैलाते हैं।।



लाल ड्रेस पहनकर, सेन्टा क्लास आते हैं। ढेर सारे उपहार वह, बच्चों के लिए लाते हैं।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)

प्रा० वि० अमरौधा प्रथम अमरौधा, कानपुर देहात



4

होली

श्रद्धाभक्ति का पर्व है होली, होलिका दहन का पर्व है होली। अहंकार, राग, द्वेष, ईर्ष्या को, मन से हटाने का पर्व है होली।।



मिल-जुलकर सब लगाते रंग, खेलते होली सब संग-संग। अनेको रंगों के रंग में रंगकर, मन में भर जाती है उमंग।।

अमित गोयल (स०अ०)

प्रा० वि० निवाडा, बागपत, जनपद बागपत



आपका दिन शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण. शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन काव्यांजलि टीम मिशन शिक्षण संवाद

1

कृष्ण जन्माष्टमी

भादों की निशि काली थी,
जग में छाया अंधकार।
जन्मे कृष्ण कन्हैया प्रभु,
करने धर्म का उद्धार॥



नंदलाल गोकुल पहुँचे,
खिल उठे सब धाम।
माँ यशोदा की गोदी में,
मुस्काये घनश्याम॥

सुषमा त्रिपाठी स०अ०
क० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर



2

गणेश चतुर्थी

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष,
चतुर्थी को गणेशोत्सव होता।
गणेश जी के जन्मदिवस के,
रूप में खुशी से मनाया जाता॥



मूर्ति स्थापित कर घर-घर
पूजा करते पंडाल सजते।
महाराष्ट्र व कर्नाटक में अत्यंत,
धूमधाम से है मनाया जाता।

रचना-
सुमन पांडे प्र.अ
प्रा० वि० टिकरी मनोटी,
खजुहा, फतेहपुर



3

अहोई अष्टमी

कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष में,
अष्टमी तिथि को पूजा होती है।
पुत्र हों स्वस्थ और दीर्घायु,
माताएँ कामना करती हैं॥



दिन तमाम सब माताएँ,
निर्जला व्रत रखती है।
अहोई माता की सुन कथा,
तारों को अर्घ्य देती है॥

रचना -
प्रतिमा उमराव स०अ०
क० वि० अमौली
अमौली, फतेहपुर



4

हरितालिका

हरतालिका तीज जब है आती,
नारी हृदय में भक्ति जगाती।
पार्वती की तपस्या याद दिलाती,
शिव से मिलन की गाथा सुनाती॥



हरतालिका तीज हमें सिखाती,
धैर्य, भक्ति और प्रेम की राह।
यही तीज का पावन संदेश,
नारी शक्ति और प्रेम का वेश॥

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात



14.09.2026

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

महाशिवरात्रि...

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष
चतुर्दशी तिथि को आता,
यह त्यौहार महाशिवरात्रि,
रूप में मनाया है जाता।।



विवाह माता पार्वती-शिव का,
मिलन हुआ शिव-शक्ति का।
इस दिन सब पूजा-अर्चना करते,
शिवलिंग अभिषेक, व्रत रखते।।

रचना-

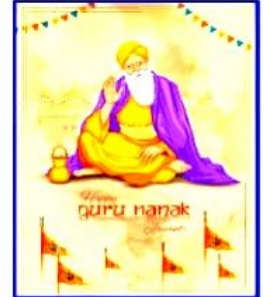
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत



2

गुरु पर्व...

श्री गुरु नानक देव के,
जन्मोत्सव का पर्व।
जिनके अनुयायी जगत में,
करते हैं खुद पर गर्व।।



सिक्ख धर्म के प्रथम गुरु,
हैं यह सन्त महान।
जिनकी शिक्षा मानता,
सारा विश्व-जहान।।

रचना-

बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1-8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा



3

होली...

रंगों का पावन त्योहार,
बिखरे खुशियों की बाँछरा।
फागुन मास मनाया जाता,
सबको गले लगाया जाता।।



होलिका में बुराइयों को,
दहन कर दिया जाता है।
मीठे पकवानों से सबका,
मुँह मीठा किया जाता है।।

रचना-

शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर



4

ईद...

एक महीने के रोजे रख,
महीना पाक आता रमजान।
मुस्लिम समुदाय रखता है,
इसे इबादत मान।।



रमजान के बाद मनता,
ईद का प्रसिद्ध त्योहार।
मुबारकबाद दे गले लगाते,
खाते सेवइयाँ मजेदार।।

रचना-

भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ



1

चैत्र मास की नवमी को,
श्री राम जन्मोत्सव मनाते हैं।
हिन्दू, धार्मिक ग्रन्थों के अनुसार,
जो अप्रैल माह में मनाते हैं।।

पूजा, व्रत और हवन करके,
यह उत्सव मनाया जाता।
हर, घर और मन्दिरों में,
मंगलाचरण किया जाता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा




2

आ गयी फिर पूनम की रात,
बताएं तुम्हें अनोखी बात।
सज गयी तारों की बारात,
सभी के हर्षित प्यारे गात ।।

बढ़ाएँ हम आपस में प्यार,
चाँदनी सिखा रही हर बार।
बहुत प्यारा लगता चन्दा,
अजब न्यारा लगता चन्दा।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०वि०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज




3

इस दिन माताएँ रखती हैं,
सन्तान के लिए उपवास।
छठी-मैया की पूजा करके,
खुशियों की रखती हैं आस।।

बिहार में ललई-छठ त्योहार,
बड़ी धूमधाम से हैं मानते।
पलाश, महुआ, पकवान बना,
घर पर मंगल-गीत हैं गाते।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट

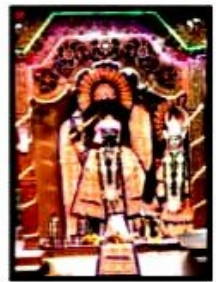



4

भादों शुक्ल-पक्ष छठ,
बल्देव छठ मनाते हैं।
रोहिणी-पुत्र देव, यदुनन्दन,
दाऊजी कहलाते हैं।।

रेवती माता हैं पत्नी,
कृष्ण के भाई कहाए।
गदा-युद्ध में पारंगत,
ब्रज के राजा कहलाए।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा




बाल साहित्य सृजन

पोंगल

फसल त्योहार है पहचान,
दक्षिण भारत की शान।
सूर्य भगवान की पूजा करते,
चावल, गुड़ से खीर बनाते॥



चार दिनों तक इसे मनाते,
घर-आँगन रंगोली से सजाते।
थाई पोंगल से जाना जाता,
पोंगल ओ पोंगल हर कोई गाता॥

रचना नीलम भास्कर (स०अ०)
पी० एम० श्री उच्च प्रा० वि०
सिसाना, बागपत (बागपत)



ओणम

केरल का प्रमुख त्योहार,
ओणम को माना जाता।
दस दिवसीय यह त्योहार,
महाबली के लिए मनाया जाता॥



नौका-दौड़ का खेल खेलते,
पूवकलम से आँगन को सजाते।
मिलकर सब नृत्य करते,
खुशियाँ आपस में बाँटते॥

रचना आरती यादव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनिया-1
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात



लोहणी

पंजाब प्रान्त का यह त्योहार होता,
फसल से यह सम्बन्धित होता।
रात में आग को जलाया जाता,
रेवड़ी और तिल इसमें अर्पित होता॥



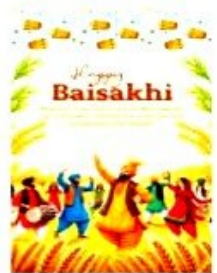
दुल्ला भट्टी की याद में मनाया जाता,
उनको कहानी को गाया जाता।
आग के चारों ओर परिक्रमा लगाते,
सबकी खुशहाली की कामना करते॥

रचना इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट वि० पनेरूवा (1-8)
ब्लॉक- अमौली, फतेहपुर



बैसाखी

सिख समुदाय और पंजाबी,
खुशियों से मनाते बैसाखी।
रवि फसल पकने का संदेश देता,
सभी के मन में खुशियाँ लाता॥



भाँगड़ा व गिद्धा नृत्य करते,
एक-दूसरे को बधाई देते।
गुरुद्वारों में कीर्तन अरदास करते,
लंगर का आयोजन करते॥

रचना माला सिंह (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भरौटा (1-8)
सरधना, मेरठ (उ०प्र०)



17/09/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

होली

होली लाये रंगों की बहार,
फागुन मास का ये त्योहार।
गुजिया, पापड़, कचरी संग,
भाई चारा है इसका सार॥



एक दिन पहले होलिका दहन,
शाम को होता बीच बाज़ार।
फिर अगले दिन होली मिलन में
टोलियों से भरते घर द्वार॥

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत



2

पोंगल

पोंगल आया रंग सजाया,
खुशियों का त्योहार है लाया।
नई फसल घर-आँगन आई,
किसानों के चेहरे पर मुस्कान लाई॥



सूरज देव को शीश नवाएँ,
मीठा पोंगल मिलकर खाएँ।
गाय-बैल का मान बढ़ाएँ,
प्यार और खुशियाँ सबमें बाँटें॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर



3

हलषष्ठी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष की,
षष्ठी तिथि को आए।
हलषष्ठी व्रत बहुत पुराना,
'हलछठ' भी कहलाए॥



जन्मदिवस बलदाऊ का,
जो 'हलधर' थे कहलाए।
बिना हल चल मिले जो अन्न,
इस दिन खाया जाए॥

ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा



4

जन्माष्टमी

अधर्म का नाश करने को,
धर्म ने था, बीड़ा उठाया।
काली अंधियारी रात में फिर,
नारायण ने, खेल दिखाया॥



दिव्य शक्ति, देवकी कोख में समाया,
बालक बन कर, उम्मीद था आया।
मृत्यु भय ने था, जगह बनाया,
कंस ने पहरा कुछ और बढ़ाया ॥

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक
डोभी, जौनपुर



18/09/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

दशहरा

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष की,
दशमी को दशहरा मनाते हैं।
असत्य पर सत्य, बुराई पर,
अच्छाई की जीत सिखाते हैं।।



रावण, कुम्भकर्ण व मेघनाद,
के पुतले मेलों में जलते हैं।
इस दिन श्री राम, माता दुर्गा व,
शमी पौधे का पूजन करते हैं।।

पूनम नैन (स० अ०)

उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपराेली, बागपत



2

गणेश उत्सव

भगवान गणेश के जन्म को,
गणेश चतुर्थी के दिन मनाते हैं।
बुद्धि और विवेक के दाता को,
विघ्नहर्ता के नाम से जानते हैं।।



घर, आंगन, मन्दिर सजाकर,
गणेश जी की प्रतिमा सजाते हैं।
अनंत चतुर्दशी के दिन तक,
गणेश उत्सव को मनाते हैं।।

अनुप्रिया यादव (स० अ०)

क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर



3

नवरात्रि

नवरात्रि में सज धज कर,
आती हैं जगदम्बा माता रानी।
हर रूप है उनका निराला,
झोलियाँ भारती माता रानी।।



शक्ति का अवतार कहलाती,
है माता दुर्गा रानी।
देकर भक्तों को वरदान,
सारे दूर करती माता रानी।

मृदुला वर्मा (स० अ०)

प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात



4

दिवाली

दिवाली आई, दिवाली आई,
खुशियों की सौगात है लाई।
घर-घर सजे हैं सुंदर दीपक,
मिट गई जग की अंधियारी।।



खील-बताशे और मिठाइयाँ,
मिलकर सबने खुशी से खाई।
नए कपड़े पहनकर सबने,
धूमधाम से दिवाली मनाई।।

अमित गोयल (स० अ०)

प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत



19.09.2026

शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

दीपावली

दीप जले तो मिटे अँधेरा,
खुशियों का हो उजियारा।
फूल खिले आँगन में जैसे,
नभ में चमके तारा॥



लक्ष्मी आए मंगल लेकर,
हर घर हो सुखधाम।
प्रेम-प्रकाश से जगमग हो,
भारत का हर ग्राम॥

सुषमा त्रिपाठी स०अ०
क० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर



2

भैया दूज

भाई बहन के प्रेम का,
एक अनुपम त्योहार।
भाई की लंबी उम्र व,
बहन की रक्षा का त्योहार॥



यम द्वितीया को बहन-भाई,
के माथे पर टीका लगाकर।
सुख समृद्धि खुशहाली की,
करती कामना उम्र भर॥

रचना-
सुमन पांडे प्र.अ
प्रा० वि० टिकरी मनोटी,
खजुहा, फतेहपुर



3

नरक चतुर्दशी

कार्तिक मास की चतुर्दशी को,
यह पर्व हम मनाते हैं।
दीपावली के पाँच त्योहारों में,
नरक चतुर्दशी इसको कहते हैं॥



नरकासुर का वध किया,
लीलाधारी श्री कृष्ण जी ने।
अंधकार पर प्रकाश फैलाते,
छोटी दीवाली नाम दिया भक्तों ने॥

रचना -
प्रतिमा उमराव स०अ०
क० वि० अमौली
अमौली, फतेहपुर



4

अन्नकूट

छप्पन भोग से थाल भरे,
मिष्ठान और पकवान सजे।
माखन मिश्री स्वाद लिए,
बालक कृष्ण मुस्काए खड़े॥



अन्नकूट का पर्व आया,
घर-घर में खुशहाली लाया।
अन्न है जीवन का आधार,
श्री कृष्ण ने सिखाया॥

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात



21.09.2026

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

हरितालिका तीज...

भादों मास की तृतीया,
व्रत होता है हरितालिका।
माँ गौरी ने शिवजी पाने को,
लिया सहारा हर ध्यान का॥



नारियाँ सुहागन व्रत रखें,
माँगे अचल सुहाग का दान।
मन से यह पूजन करो,
धरो शिव-पार्वती का ध्यान॥

रचना- भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ



2

हल छठ पूजा....

जन्म उत्सव है बलराम का,
श्री कृष्ण के बड़े भाई दाऊ का।
हल षष्ठी रूप में मनाया जाता,
जन्माष्टमी से दो दिन पहले आता॥



हल-मूसल को पूजा जाता,
महिलाएँ पूजा-अर्चना करती।
अपने पुत्रों की लम्बी आयु को,
हलछठ पर उपवास रखती॥

रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत



3

छठ पूजा...

चार दिनों तक ये चलता है,
बड़ा लोकप्रिय ये त्योहार।
सूर्य देव व छठ मईया की,
हो पूजा, हो मन अविकार॥



करें सफाई, भात बनाते,
गुड़ की लेकर खीर मधुर।
अस्ताचल, उदयाचल रवि को,
देंय अर्घ्य हर्षित होकर॥

रचना- जुगलकिशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्भौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी



4

करवा चौथ ...

कार्तिक माह चौथ की रात,
मनाती करवा चौथ सुहागन।
पति की लम्बी आयु की खातिर,
व्रत रहती निर्जल, मन पावना॥



सूर्योदय से सूर्यास्त तक,
दिन-भर करतीं यही कामना।
सज-धजकर पूजती चाँद को,
जीवन सुखी बनाए रखना॥

रचना- शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर



1

भगवान विष्णु की पूजा,
गणेश विसर्जन करते हैं।
संकट से रक्षा करने को,
अनन्त सूत्र बाँधते हैं।।

धृत-क्रीड़ा में जब पाण्डव,
अपना राजपाट हारे।
श्री कृष्ण ने वृत्त रखवाया,
पूजा करके संकट से उबारे।।

रचना-

नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

अनन्त
चतुर्दर्शी



2

नवरात्रि के दसवें दिन,
यह त्यौहार मनाया जाता।
असत्य पर सत्य का जीत,
यह त्यौहार कहलाता।।

रावण का वध श्री राम ने,
इसी दिन किया था।
विजय का प्रतीक त्यौहार,
विजय दशमी नाम दिया था।।

रचना-

उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

विजय
दशमी



3

आ गया गौरी पूजन पर्व,
यही गौरी का दर्शन पर्व।
सजे है गौरी मन्दिर सर्व,
हमें मंगल गौरी पर गर्व।।

कट रहे बाधा के जंगल,
मंगला गौरी का कौशल।
सुहागिन माँग रही वरदान,
दमकती रहे सिंदुरी माँग।।

रचना-

प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०वि०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

मंगला
गौरी



4

श्रम, कला, और तकनीक,
श्रष्टि के निर्माण को मानें,
हाथों का हुनर हो बेहतर,
कर्मपथ को सर्वश्रेष्ठ जानें।।

विश्वकर्मा को संसार का,
पहला शिल्पकार मानते हैं।
चक्र, त्रिशूल, सुदर्शन का,
निर्माता इन्हें मानते हैं।।

रचना-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट

विश्वकर्मा
पूजा



23/09/2026

बाल साहित्य सृजन

बुधवार

1

फूलदेई

उत्तराखंड का यह प्रसिद्ध पर्व,
अपनी संस्कृति पर करता गर्व।
चैत्र मास की संक्राति पर पड़ता,
बसन्त ऋतु आने का सूचक होता॥



बच्चे घरों की चौखट में फूल रखते,
और पारम्परिक गीत वे गाते।
बदले में गुड़, चावल, मिठाई पाते,
घर में सुख समृद्धि की कामना करते॥

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनरूवा
अमौली फतेहपुर



2

तीज

सावन का महीना आया,
तीज का पर्व ले आया।
सखियों का मन हर्षाया,
सोलह शृंगार कर रूप सजाया॥



झूला-झूलन को हो गई तैयार,
सबने मिलकर गया मल्हारा।
चारों ओर हरियाली छाई,
मंद-मंद ब्यौछार भी आई॥

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ



3

छठ पूजा

सूर्य देव और छठी मइया को,
समर्पित यह त्योहार होता।
ठेकुआ, गन्ना व मौसमी फल को,
प्रसाद के रूप में रखा जाता॥



निर्जला व्रत इसमें रखते,
चार दिनों तक इसे मनाते।
अलग-अलग व्यंजन बनाते,
परिवार कल्याण की कामना करते॥

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात



4

सरहुल

चैत शुक्ल तृतीया बसन्त में,
आदिवासी समुदाय मनाते।
इनका होता नया तब,
रखते व्रत, फल-फूल मँगाते॥



साल पुष्प-फल व मुर्गी की,
बलि देकर उत्साह जताते।
हाल अर्थ परिवर्तन से है,
सर को साल का नाम बताते॥

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी (उ०प्र०)



24/09/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

बुद्ध पूर्णिमा

वैशाख माह की पूर्णिमा पर,
बुद्ध पूर्णिमा मनायी जाती है।
तीन घटनायें घटित हुई इस दिन,
ऐसी कहानी बतायी जाती है।



इसी तिथि को जन्म लिया और,
इसी तिथि को ज्ञान प्राप्त किया।
फिर इसी तिथि को कुशीनगर में,
नश्वर शरीर का त्याग किया।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत



2

ईद

ईद का दिन है बड़ा सुहाना,
खुशियों से भर गया जमाना।
चाँद दिखा तो मन मुस्काया,
ईद का प्यारा पर्व है आया।।



नए कपड़े, मीठी सेवइयाँ,
खुशबू बिखेरें सारी गलियाँ।
गले मिलें हम प्यार से सारे,
छोटे-बड़े हों दोस्त हमारे।।

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर



3

दिवाली

आयी दीवाली, आयी दीवाली,
जगमग जगमग आयी दिवाली।
बाजार में रौनक छायी,
घर-घर खूब मिठाई आयी।।

घर को खूब सजाएँगे,
घी के दिए जलाएँगे।
मम्मी-पापा संग अपने,
फुलझड़ियाँ भी छुटाएँगे।।



ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा



4

विजय दशमी

असत्य पर सत्य की,
विजय का है त्योहार।
आसूरी प्रवृत्तियों का दमन करें,
खुद में लायें राम सा व्यवहार।।



छल-कपट ज्ञान के रावण को,
राम सा बन, करें संहार।
विजय पताका फहरें चंडु ओर,
विजय दशमी मानो ऐसे हर बार।।

वन्दना यादव 'गज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक
डोभी, जौनपुर



25/09/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

गणेश चतुर्थी

भाद्रमास की शुक्ल पक्ष की, चतुर्थी को मनाया जाता है। गणेश जी को 10 दिनों तक, पूजा, अर्चना किया जाता है।।



गणपति जी की पूजा करके, मोदक का भोग लगाते हैं। अनंत चतुर्दशी को मूर्ति को, जल में विसर्जित कराते हैं।।

पूनम नैन (स० अ०)

उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर छपरौली, बागपत



2

बैसाखी

उत्तरभारत का प्रमुख त्योहार, बैसाखी को माना जाता है। फसल की पकने की खुशी में, उत्सव रूप में मनाया जाता है।।



खालसा पंथ की स्थापना भी, इस त्योहार का प्रमुख अंग है। गुरुद्वारों में आयोजन करके, यह त्योहार मनाया जाता है।।

अनुप्रिया यादव (स० अ०)

क० वि० काजीखेड़ा खजुहा फतेहपुर



3

दशहरा

भारत देश में धूमधाम से, मनाया जाता है यह त्योहार। असत्य पर सत्य की जीत को, दर्शाता है यह त्योहार।।



अश्विनमास शुक्लपक्ष दशमी तिथि को, मानते हैं धूमधाय से यह त्योहार। भगवान राम की रावण पर जीत को, दिखाता है यह त्योहार।।

मृदुला वर्मा (स० अ०)

प्रा० वि० अमरौधा प्रथम अमरौधा, कानपुर देहात



4

ओणम

खुशियों का संदेश लाता, ओणम का पावन त्यौहार। द्रोण पुष्पों से बने पूकलम, रंगोली से महके पूरा संसार।।



राजा महाबली के स्वागत में, सजाते सब अपने घर-द्वार। नौका दौड़, नृत्य, खेल, संगीत, छा रही खुशियों की बौछार।।

अमित गोयल (स० अ०)

प्रा० वि० निवाडा, बागपत, जनपद बागपत



बाल साहित्य सृजन

1

खिचड़ी

तिल-गुड़ की मिठास लिए,
आई शुभ की बेला।
सूरज ने बदला पथ अपना,
जगमग हुआ उजेला।।



खिचड़ी पर्व मनाएँ,
हर्षित हो संसार।
दान-पुण्य की पावन गंगा,
बहती रहती बारंबार।।

सुषमा त्रिपाठी स०अ०
क० उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर



2

लोहड़ी

उत्तर भारत का है त्यौहार,
पंजाब, जम्मू, हरियाणा।
हिमाचल प्रदेश में हैं मनाते,
लोहड़ी का पावन त्योहार।।



मकरसंक्रांति की पूर्व संध्या
पर मनाते हैं लोहड़ी त्यौहार
रेवड़ी बाट कर खुशी मनाते
सुखसमृद्धि को है त्यौहार।।

रचना-
सुमन पांडे प्र.अ
प्रा० वि० टिकरी मनोटी,
खजुहा, फतेहपुर



3

बिहू

असम राज्य का है त्योहार,
मिल सब नृत्य करें नर-नार।
मिलती इससे खुशियाँ अपार,
प्रकृति माता को करें आभार।।



युवा पीढ़ी खुशियाँ मनाती,
अच्छी फसल की नेक मनाती।
बसन्त ऋतु का इन्तजार,
पहनते पारम्परिक परिधान।।

रचना -
प्रतिमा उमराव स०अ०
क० वि० अमौली
अमौली, फतेहपुर



4

पोंगल

पोंगल का त्यौहार है आया,
घर-घर मे खुशहाली लाया।
खेतों में हरियाली लाया,
नई उम्मीदें साथ लाया।।



बच्चे नाचें बुजुर्ग मुस्काएं,
माँ रसोई में मिष्ठान बनाए।
प्रकृति का आभार मनाएं,
गीत गाए और पर्व मनाएं।

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात



28-09-2026

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

नवरात्रि पूजन

माँ दुर्गा का पूजन करते,
भक्ति पूर्वक हिन्दू लोग।
व्रत रखते हैं पूरे नौ दिन,
कन्याओं को लगाते भोग॥



चैत्र और शारदीय नवरात्रि,
मनाते हैं साल में दो बार।
पूजन माँ के नौ रूपों का,
और हवन करते सपरिवार॥

रचना- शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर



2

अहोई अष्टमी

कार्तिक मास की तिथि सप्तमी,
अहोई अष्टमी का त्योहार।
जिस वार की होती यह,
होती दीवाली भी उसी वार॥



सन्तान सुख की रखें कामना,
करें अहोई माता का गुणगान।
निर्जल व्रत रख सब माताएँ,
हो निर्भय, निरोगी सब सन्तान॥

रचना- भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ



3

वट सावित्री व्रत

माँगें पति की लम्बी आयु,
महिलाएँ करती उपवास।
वट सावित्री की पूजा करती,
व्रत होता यह बहुत खास॥



वट वृक्ष की पूजा कर,
करती हैं सोलह श्रृंगार।
पकवान बनाती तरह-तरह के,
करती हैं बायना तैयार॥

रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत



4

दशहरा

अच्छाई जब जीती थी,
बुराई की जब हार हुई।
श्री राम चन्द्र की महिमा की,
जब जग में जय-जयकार हुई॥



आओ! हम प्रभु के गुण गाएँ,
सत्य की ही राह अपनाएँ।
न्याय की सब बात करें,
मिल कर हम दशहरा मनाएँ॥

रचना- बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1-8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा



29.09.2026

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1

रमज़ान

मुन्नी बोली भाई से अपने,
कल से शुरू होगा रमज़ान।
तीस, दिन तक रखेंगे रोज़े,
आज दिखा रमज़ान का चाँद॥



जब रोज़े हो जाएँगे पूरे,
तब मिलकर ईद मनाएँगे।
नये कपड़े पहनेँगे सब,
मिलकर घूमने जाएँगे॥

रचना-

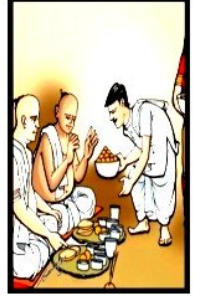
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट



2

श्राद्ध पक्ष

भादों पूर्णिमा से पितृ-पक्ष,
क्वार अमावस तक होता।
पितरों निमित्त दान करते,
दाग तिथि पर पूजन होता॥



श्राद्ध-पक्ष में शुभ कार्य,
वर्जित हम है मानते।
नवीन वस्त्र, जूते पितरों को,
भोजन, तर्पण करके देते॥

रचना-

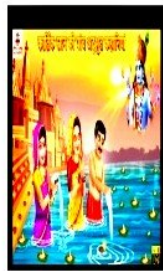
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा



3

कार्तिक स्नान

सूर्योदय से पहले नित्य,
स्नान किया जाता।
शरद पूर्णिमा से शुरू होता,
कार्तिक पूर्णिमा तक जाता॥



सूर्योदय से पहले नित्य,
स्नान किया जाता।
शरद पूर्णिमा से शुरू होता,
कार्तिक पूर्णिमा तक किया जाता॥

रचना-

उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा



4

चातुर्मास

यही समय कुछ खास है,
आया चातुर्मास है।
सावन-भादों, क्वार-कार्तिक,
चहल-पहल रहती हर दिन।



सावन-भादों होती वर्षा,
सारा भूमण्डल है हर्षा।
हरी-भरी खेती लहराती,
विष्णु जी को नींद सताती॥

रचना-

प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज



30/09/2026

बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

सोलुंग

अरूणाचल प्रदेश में यह त्योहार, अच्छी फसल हेतु मनाया जाता। महिलाओं द्वारा पारम्परिक परिधान, पहनकर लोकनृत्य किया जाता।।



लोग एक दूसरे के घर जाकर मांस, चावल की बीयर को भेंट करते। उत्सव में मनुष्य और प्रकृति से, जुड़े सोलुंग अबुंग गीत गाए जाते।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर



2

मधु श्रवणी

मधुश्रावणी का पर्व, सावन मास में आता। बिहार और नेपाल के क्षेत्र में, यह मनाया जाता।।



नव विवाहित स्त्रियाँ, करती हैं उपवास। पतिदेव की दीर्घायु के लिए, प्रभु ! से लगाती हैं आश।।

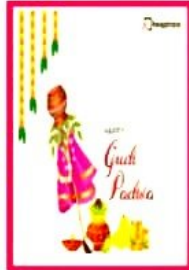
माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ



3

गुड़ी पड़वा

चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को, यह पावन त्योहार मनाया जाता। कुछ स्थानों में इस त्योहार को, उगादि नाम से भी जाना जाता।।



गुड़ी को अपने घरों में फहराते, उल्टा कलश उसमें रखते। गुड़ व इमली का प्रसाद बनाते, सुंदर रंगोली से घर को सजाते।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात



4

बिहुला

बिहार का पारंपरिक त्योहार, भागलपुर महोत्सव कहलाता। मनसा देवी की आराधना होती, श्रावण भाद्रपद झांकी सजती।।



भक्तेन नृत्य, संगीत शोभा बढ़ाते, पारंपरिक पोशाक में नाचते गाते। बिहार राज्य की संस्कृति पहचान, बिहुला त्योहार भारत की शान।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत





मिशन शिक्षण संवाद



बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

- | | |
|--------------------------------|---------------------------------|
| 1- बृजराज सारस्वत, मथुरा | 13- ज्योति विश्वकर्मा, झाँसी |
| 2- भावना शर्मा, मेरठ | 14- वन्दना यादव, जौनपुर |
| 3- जुगल किशोर, झाँसी | 15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर |
| 4- सीमा शर्मा, बागपत | 16- ज्योति सागर, बागपत |
| 5- नैमिष शर्मा, मथुरा | 17- पूनम नैन, बागपत |
| 6- उमा ठाकुर, मथुरा | 18- अमित गोयल, बागपत |
| 7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट | 19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर |
| 8- प्रवीणा दीक्षित, कासगंज | 20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात |
| 9- आरती यादव, कानपुर देहात | 21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर |
| 10- इला सिंह, फतेहपुर | 22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर |
| 11- जुगल किशोर त्रिपाठी, झाँसी | 23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर |
| 12- माला सिंह, मेरठ | 24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात |

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शक- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम